मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए | By Gyan Pankaj

मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए
तेरे नाम की ही लगन चाहिए
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए .....

मैं उलझा रहा जग के जंजाल में
कभी ध्यान में तुम को ला ना सका
भटकता रहा जिसकी खातिर सदा
वह क्या चीज है जो मैं पा ना सका
तुम ही से यह उलझन सुलझ पाएगी
यह नैया भंवर से निकल जाएगी
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए .....

तुम्हें छोड़ अब किसको जाकर कहूं
तुम्हारे सिवा कोई सुनता नहीं
जमाना कहे कुछ भी कहता रहे
तेरी बेरुखी श्याम कैसे सहू
संभालोगे तुम तो संभल जाऊंगा
जो ठुकराओगे तुम कहां जाऊंगा
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए .....

हे मंदिर तुम्हारा सभी के लिए
जो आया मुकद्दर संवर जाएगा
पढ़ा ही रहूं एक कोने में मैं
यह जीवन खुशी से गुजर जाएगा
ना बैठो प्रभु मुझसे मुख्य मोड़ कर
यह पंकज ना जाए तुम्हें छोड़कर
मुझे एक पल ना भुलाना प्रभु
हूं सेवक तुम्हारा तुम्हारा रहूंगा सदा के लिए
मुझे श्याम तेरी शरण चाहिए .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%8f-by-g/